

# झूठी खबरों को पहचानने के ढंग



## स्रोत पर विचार करना

जानकारी का लेखक कौन है? ऐसे प्रासंगिक मुद्दों पर उनकी साख की जाँच करें।



कोविड-19  
संस्करण



## सुर्खियां सदा सच नहीं होती

खबर तक तीव्र पहुंच बनाने के लिए कई बार सुर्खियां झॉसा साबित होती हैं जबकि असल कहानी इसके बिल्कुल विपरीत होती हैं। इस लिए पूरी खबर को जाँच-पड़ताल के बिना कभी भी आगे ना भेजें।



## सहायक स्रोत

लिंक पर क्लिक करें या आधिकारिक स्रोत से जाँच करें। क्या वे कहानी का समर्थन करते हैं?



## क्या अन्य स्रोत इस खबर को सही मानते हैं?

पेश की जा रही खबर का अन्य भरोसेमंद स्रोतों द्वारा निरीक्षण किया जाना चाहिए और यह भी जानने का प्रयास करना ज़रूरी है की वह किन स्रोतों का उल्लेख कर रहे हैं?



## क्या यह परिहास तो नहीं

कई बार लोग हंसी-हंसी जानकारी को सांझा कर देते हैं। इस लिए सत्य को जानने के लिए खबर पर शोध करना बहुत ज़रूरी है।



## पारदर्शी और पक्षपात रहित सोच

विचार करें कि क्या आपकी अपनी धारणा या चिंता आपके निर्णय को प्रभावित कर सकती है।



## किसी विशेषज्ञ की राय लेना

जहाँ कोई शंका हो वहाँ किसी योग्य लाइब्रेरियन, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ) जैसे आधिकारिक स्रोत या किसी पुख्ता ऑनलाइन स्रोत (फैक्ट चेकिंग साइट) की सहायता लेनी चाहिए।



## जाँच-पड़ताल के बिना दूसरों के साथ साझी न करें

सोशल मीडिया की पोस्ट या खबरों को जाँच-पड़ताल करने के बाद ही आगे भेजना चाहिए।